<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2846

17 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

लौह अयस्क के उत्पादन में कोकिंग कोयले का उपयोग

2846. श्री महेश पोद्दारः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 2013 में इस्पात उत्पादन का लक्ष्य 30 मिलियन टन था और सरकार चालू वर्ष के लिए इस लक्ष्य को तीन गुना बढ़ाने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को कम से कम 50 मिलियन टन लौह अयस्क की भी आवश्यकता है;

(ग) क्या 50 मिलियन टन लौह अयस्क प्राप्त करने के लिए, कोकिंग कोयले की भी भारी मात्रा में आवश्यकता है;

(घ) क्या सरकार इसके लिए कोकिंग कोयले के उपयोग को बंद करने या कम करने की योजना बना रही है; और

(ङ) लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार की क्या योजनाएं हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी नहीं। इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण सरकार इस्पात उद्योग के लिए कोई उत्पादन लक्ष्य निर्धारित नहीं करती। यह बाजार संचालित है और प्रौद्योगिकी चयनकर्ता उत्पादक से प्राप्त माँग पर निर्भर करता है। लौह अयस्क और कोकिंग कोल की मात्रा उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी पर निर्भर करती है।

(ख) से (घ): प्रश्न नहीं उठता।

(ङ): लौह अयस्क खनन सार्वजनिक क्षेत्र और निजी संस्थाओं, दोनों के द्वारा केप्टिव तथा मर्चेंट खानों, दोनों में किया जाता है। लौह अयस्क का उत्पादन माँग तथा मौजूदा घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।

****